©mayurpuri.com

इक पल ने

मुखड़ा:
इक पल ने जाते जाते
आने वाले पल से कहा
तू मुस्कुरा
जो तेरे हाथों में नहीं
हैं उन बातों से है तू क्यूँ ख़फ़ा
इक पल की हर ख़ुशी है
ज़िंदगी है इस पल की दास्तां
इक पल जो भूले ज़मीन
छू ले तेरे हाथों में है जो आसमाँ
ना इस पल का ना कल का पता
ना कोई शिक़्वा ना अब है गि़ला
तेरे दम से मैं हर ग़म से हँस के मिला
ना ना ना ना ना ना ना
ना ना ना ना ना ना ना
ना ना ना ना ना ना ना
ना ना

अंतरा 1:
जहाँ देखना चाहा अपना कोई तो
मुझे अज़नबी ही मिला
मगर अब तलक जो था सब से पराया
वो एक मेरा चेहरा ही था
हर आईना हँसता रहा
अब जा के मैं ख़ुद से मिला
ना इस पल का ना कल का पता
ना कोई शिक़्वा ना अब है गि़ला
तेरे दम से मैं हर ग़म से हँस के मिला
ना ना ना ना ना ना ना
ना ना ना ना ना ना ना
ना ना ना ना ना ना ना
ना ना

©mayurpuri.com

©mayurpuri.com

अंतरा 2:
चला हूँ मैं राहों में कितना अकेले
मगर ये सफ़र है नया
नहीं मंज़िलो की है कोई फ़िकर
जब से तू हमसफ़र बन गया
तू ही सफ़र तू रास्ता
जाना कहाँ तेरे सिवा
ना इस पल का ना कल का पता
ना कोई शिक़्वा ना अब है गि़ला
तेरे दम से मैं हर ग़म से हँस के मिला
ना ना ना ना ना ना ना
ना ना ना ना ना ना ना
ना ना ना ना ना ना ना
ना ना

©mayurpuri.com